



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III — खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 94]
No. 94]नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 6, 2008/ज्येष्ठ 16, 1930
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 6, 2008/JYAISTHA 16, 1930

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 6 जून, 2008

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (ऋण प्रतिभूतियों का निर्गम और इनकी सूचीबद्धता) विनियम, 2008

सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2008/13/127878.—

बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय I

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (ऋण प्रतिभूतियों का निर्गम और इनकी सूचीबद्धता) विनियम, 2008 कहा जा सकेगा।

(2) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ.—(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है;

(ख) “विज्ञापन” में सूचनाएँ विवरणिकाएँ, पुस्तिकाएँ, परिपत्र, प्रदर्शन कार्ड (शो कार्ड), प्रसूचियाँ, विज्ञापन-पट्ट, प्लेकार्ड, पोस्टर, समाचारपत्र, रंगचित्रों, फिल्मों, प्रस्ताव दस्तावेजों के कवर पृष्ठों या किसी अन्य प्रिंट मीडियम,

किसी इलेक्ट्रॉनिक मीडियम के माध्यम से रेडियो, टेलीविजन कार्यक्रमों में अन्तःस्थापन सम्मिलित हैं;

(ग) “बोर्ड” से अधिनियम की धारा 3 के उपबंधों के अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अभिप्रेत है;

(घ) “बही-निर्माण” से कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रोस्पेक्टस (विवरण पत्रिका) दाखिल करने से पूर्व की गई प्रक्रिया अभिप्रेत है, सूचना के परिचालन, परिपत्र, विज्ञापन या अन्य दस्तावेज के द्वारा, जिसके द्वारा निर्गमकर्ता द्वारा निर्गमित किये जाने के लिए प्रस्तावित ऋण प्रतिभूतियों के लिए मांग निकाली जाती है और ऐसी प्रतिभूतियों की कीमत तथा इनके परिणाम का निर्धारण किया जाता है;

(ङ) “ऋण प्रतिभूतियों” (या “ऋण प्रतिभूतियों”) से असंपरिवर्तनीय ऋण प्रतिभूतियाँ अभिप्रेत हैं जो ऋणग्रस्तता को सृजित या अभिस्वीकृत करती हैं, और जिनमें निगमित निकाय या विधान के फलस्वरूप गठित किसी कानूनी निकाय के डिबेंचर, बंधपत्र (बॉण्ड) या ऐसी अन्य प्रतिभूतियाँ सम्मिलित हैं, चाहे निगमित निकाय की आस्तियों पर भार के रूप में हों या न हों, किन्तु जिनमें सरकार या ऐसे अन्य निकायों द्वारा निर्गमित बंध पत्र (बॉण्ड) जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, प्रतिभूति रसीदें और प्रतिभूत ऋण लिखतें अपवर्जित हैं;

(च) “नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज” से वह स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जिसमें निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं या सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं और

जिसे निर्गमकर्ता द्वारा इन विनियमों के अधीन विशिष्ट निर्गम के प्रयोजनों के लिए चुना जाता है;

- (छ) "निर्गमकर्ता" से कोई कंपनी, सार्वजनिक क्षेत्र (पब्लिक सेक्टर) का उपक्रम या कानूनी निगम अभिप्रेत है जो इन विनियमों के अनुसार ऋण प्रतिभूतियों का निर्गम करता है या करने का प्रस्ताव करता है या जिसकी अपनी प्रतिभूतियाँ मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं या जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में अपनी ऋण प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध कराना चाहता है;
- (ज) "निजी स्थान" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 67 की उप-धारा (3) के निबंधनों के अनुसार ऋण प्रतिभूतियों में अभिदाय करने के लिए पचास से कम व्यक्तियों को प्रस्ताव या आमंत्रण अभिप्रेत है;
- (झ) "सार्वजनिक निर्गम" से ऋण प्रतिभूतियों में अभिदाय करने के लिए जनता को निर्गमकर्ता द्वारा प्रस्ताव या आमंत्रण अभिप्रेत है जो निजी स्थान के स्वरूप का नहीं है;
- (ञ) "प्रस्ताव दस्तावेज" से प्रोस्पेक्टस (विवरण पत्रिका) अभिप्रेत है और जिसमें कोई ऐसा दस्तावेज या विज्ञापन सम्मिलित है जिसके द्वारा ऋण प्रतिभूतियों में अभिदान निर्गमकर्ता द्वारा जनता से आमंत्रित किये जाते हैं;
- (ट) "मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज" से वह कोई स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जो प्रतिभूति सौविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4 के अधीन मान्यताप्राप्त है;
- (ठ) "अनुसूची" से इन विनियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है;
- (ड) "विनिर्दिष्ट" से अधिनियम या इन विनियमों के अधीन जारी साधारण या विशेष आदेश या परिपत्र द्वारा विनिर्दिष्ट अभिप्रेत है।

(2) इन विनियमों में उपयोग किए गए किन्तु अपरिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे, जो अधिनियम या कंपनी अधिनियम, 1956 या प्रतिभूति सौविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 या निक्षेपागार अधिनियम, 1996 या तद्धीन बनाए गए नियमों तथा विनियमों या किसी कानूनी उपांतर या उनकी पुनः अधिनियमिति में क्रमशः उनके लिए नियत हों।

3. लागू होना.—ये विनियम—

- (क) ऋण प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम; और
- (ख) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में, सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से या निजी स्थान (प्राइवेट प्लेसमेंट) आधार पर निर्गमित ऋण प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के प्रति लागू होंगे।

अध्याय II

सार्वजनिक निर्गमों के लिए निर्गम अपेक्षाएँ

4. साधारण शर्तें.—(1) कोई भी निर्गमकर्ता ऋण प्रतिभूतियों का कोई सार्वजनिक निर्गम नहीं करेगा यदि इन विनियमों में यथा उपबोधित प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल करने की तारीख को, निर्गमकर्ता या निर्गमकर्ता के नियंत्रण में व्यक्ति, या इसके संप्रवर्तक को, बोर्ड द्वारा प्रतिभूति बाजार में पहुंच रखने या प्रतिभूतियों में व्यौहार करने से अवरुद्ध या प्रतिषिद्ध या विवर्जित किया गया है और ऐसा निदेश या आदेश प्रवृत्त है।

(2) कोई भी निर्गमकर्ता ऋण प्रतिभूतियों का सार्वजनिक निर्गम नहीं करेगा जब तक कि निम्नलिखित शर्तें पूरी नहीं हो जाती, इन विनियमों में यथा उपबोधित प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल करने की तारीख को,

- (क) इसने एक या अधिक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को उनमें ऐसी प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए आवेदन किया है :

परंतु यह कि जहाँ आवेदन एक से अधिक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को किया जाता है, तो वहाँ निर्गमकर्ता उनमें से एक को नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुनेगा;

परंतु यह और कि जहाँ ऐसे स्टॉक एक्सचेंजों में से किसी के पास राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनल हों, तो वहाँ निर्गमकर्ता उनमें से एक को नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुनेगा;

स्पष्टीकरण : बाद के किसी सार्वजनिक निर्गम के लिए, निर्गमकर्ता इस विनियम की अपेक्षाओं के अधधीन नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में भिन्न स्टॉक एक्सचेंज को चुन सकेगा;

- (ख) इसने उन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में अपनी ऋण प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन अभिप्राप्त कर लिया है जहाँ सूचीबद्धता के लिए आवेदन किया गया है;

- (ग) बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत कम से कम एक साख निर्धारण एजेंसी से साख निर्धारण अभिप्राप्त कर लिया गया है और यह प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट है :

परंतु यह कि जहाँ साख निर्धारण एक से अधिक साख निर्धारण एजेंसियों से अभिप्राप्त किये जाते हैं, तो वहाँ सभी रेटिंगों, जिनमें अस्वीकृत रेटिंगें सम्मिलित हैं, प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की जाएंगी;

- (घ) इसने ऋण प्रतिभूतियों जो जनता को निर्गमित किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं की गैर-कागजी रूपी प्रक्रिया के लिए बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत निक्षेपागार के साथ इंतजाम किया है, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और तद्धीन बनाए गए विनियमों के अनुसार।

(3) निर्गमकर्ता बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत एक या अधिक मर्चेट बैंककारों को नियुक्त करेगा जिनमें से कम से कम एक अग्रणी (लीड) मर्चेट बैंककार होगा।

(4) निर्गमकर्ता कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 117ख और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993 के उपबंधों के अनुसार एक या अधिक डिबेंचर न्यासी नियुक्त करेगा।

(5) निर्गमकर्ता किसी व्यक्ति को उधार देने या उसके शेयरों के अर्जन के लिए ऋण प्रतिभूतियाँ निर्गमित नहीं करेगा जो उसी समूह का भाग है या जो एक ही प्रबंध के अधीन है।

(6) स्पष्टीकरण : उप-विनियम (5) के प्रयोजनों के लिए,—

(क) दो व्यक्ति “उसी समूह का भाग” समझे जाएंगे यदि वे एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 2 के खण्ड (डच) के अर्थ के भीतर उसी समूह के हैं या यदि वे उस अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (छ) के अर्थ के भीतर “अंतर्संबद्ध उपक्रम” के स्वामी हैं;

(ख) पद “एक ही प्रबंध के अधीन” का अर्थ वही होगा जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 370 की उप-धारा (1ख) से प्राप्त है।

5. प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकटीकरण (1).—प्रस्ताव दस्तावेज में समस्त तात्त्विक प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे जो ऋण प्रतिभूतियों के अभिदाताओं के लिए विनिधान (निवेश) के संबंध में सोच-समझकर विनिश्चय करने के लिए आवश्यक हैं।

(2) उप-विनियम (1) की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निर्गमकर्ता और अग्रणी मर्चेट बैंककार यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रस्ताव दस्तावेज में निम्नलिखित अंतर्विष्ट है :

(क) कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची II में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण;

(ख) इन विनियमों की अनुसूची I में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण;

(ग) अतिरिक्त प्रकटीकरण जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए “तात्त्विक” से कोई वह बात अभिप्रेत है जिससे विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के सोच-समझकर विनिश्चय करने पर असर पड़ने की संभावना हो।

6. प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करना (1).—कोई भी निर्गमकर्ता ऋण प्रतिभूतियों का सार्वजनिक निर्गम नहीं करेगा जब तक कि प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज अग्रणी मर्चेट बैंककार के माध्यम से नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल न कर दिया गया हो।

(2) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल किए गए प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट

पर डालते हुए ऐसे एक्सचेंज के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से सात कार्य-दिवसों की कालावधि के लिए जनता की टिप्पणियाँ मांगने के लिए सार्वजनिक किया जाएगा।

(3) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को निर्गमकर्ता, मर्चेट बैंककारों और स्टॉक एक्सचेंजों जहाँ ऋण प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं के वेबसाइटों पर भी प्रदर्शित किया जा सकेगा।

(4) अग्रणी मर्चेट बैंककार यह सुनिश्चित करेगा कि प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में अग्रणी मर्चेट बैंककार और निर्गमकर्ता के अनुपालन अधिकारी के नाम और संपर्क संबंधी विशिष्टियाँ स्पष्ट तौर पर विनिर्दिष्ट हैं जिनमें डाक और ईमेल का पता, दूरभाष और फैक्स संख्याएँ भी सम्मिलित हैं।

(5) अग्रणी मर्चेट बैंककार यह सुनिश्चित करेगा कि प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में प्राप्त सभी टिप्पणियों का निवारण कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल करने से पूर्व उपयुक्त रूप से किया जाता है।

(6) प्रारूप और अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति बोर्ड को भी इसके रिकॉर्ड के लिए अग्रेषित की जाएगी, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास इन दस्तावेजों को दाखिल करने के साथ-साथ।

(7) अग्रणी मर्चेट बैंककार, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से पूर्व, बोर्ड को इन विनियमों की अनुसूची II के अनुसार सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र देगा।

(8) डिबेंचर न्यासी, सार्वजनिक निर्गम के खुलने से पूर्व, बोर्ड को इन विनियमों की अनुसूची III के अनुसार सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र देगा।

7. प्रस्ताव दस्तावेज के प्रकटीकरण की रीति (1).—प्रारूप और अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों पर प्रदर्शित किए जाएंगे और पी.डी.एफ./एच.टी.एम.एल. फॉर्मेटों में डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध होंगे।

(2) प्रस्ताव दस्तावेज नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल किया जाएगा, कंपनी रजिस्ट्रार के पास उसको दाखिल करने के साथ-साथ, निर्गम के खुलने से पूर्व इसके वेबसाइट पर प्रसार के लिए।

(3) जहाँ कोई व्यक्ति प्रस्ताव दस्तावेज की कागजी प्रति के लिए निवेदन करता है, तो वह उसको निर्गमकर्ता या अग्रणी मर्चेट बैंककार द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी।

8. सार्वजनिक निर्गमों के लिए विज्ञापन (1).—निर्गमकर्ता व्यापक परिचालन वाले राष्ट्रीय दैनिक में विज्ञापन देगा, निर्गम खुलने की तारीख को या से पूर्व और ऐसे विज्ञापन में, अन्य बातों के साथ-साथ, अनुसूची IV के अनुसार प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे।

(2) कोई भी निर्गमकर्ता वह विज्ञापन जारी नहीं करेगा जो तात्त्विक विशिष्ट में भ्रामक है या जिसमें विकृत रीति में कोई जानकारी अंतर्विष्ट है या जो छलसाधक या प्रबंधक है।

(3) विज्ञापन सत्यतापूर्ण, निष्पक्ष और स्पष्ट होगा और जिसमें ऐसा कथन, वचन या पूर्वानुमान अंतर्विष्ट नहीं होगा जो असत्य या भ्रामक है।

(4) निर्गमकर्ता द्वारा जारी किसी विज्ञापन में कोई ऐसे विषय अंतर्विष्ट नहीं होंगे जो प्रस्ताव दस्तावेज की विषय-वस्तु से बाहर के हैं।

(5) विज्ञापन विनिधानकर्ताओं को केवल प्रस्ताव दस्तावेज में अंतर्विष्ट जानकारी के आधार पर विनिधान (निवेश) करने के लिए बतायेगा।

(6) अभिदान कालावधि के दौरान निर्गमकर्ता द्वारा जारी किसी कंपनी (कॉर्पोरेट) या उत्पाद (प्रोडक्ट) विज्ञापन में ऋण प्रतिभूतियों के निर्गमन के प्रति कोई निर्देश नहीं होगा या उसका उपयोग याचना के लिए नहीं किया जाएगा।

9. संक्षिप्त प्रोस्पेक्टस (विवरण पत्रिका) और आवेदन प्ररूप (1).—निर्गमकर्ता और अग्रणी मर्चेट बैंककार यह सुनिश्चित करेंगे कि :

- (क) निर्गमकर्ता द्वारा जारी प्रत्येक आवेदन प्ररूप के साथ संक्षिप्त प्रोस्पेक्टस की प्रति है;
- (ख) संक्षिप्त प्रोस्पेक्टस में ऐसे विषय अंतर्विष्ट नहीं होंगे जो प्रोस्पेक्टस की विषय-वस्तु से बाहर के हैं;
- (ग) आवेदन प्ररूप में पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया जाएगा ताकि विनिधानकर्ता (निवेशक) विभिन्न व्योरे, जैसे नाम, पते, आदि, भरने में समर्थ हो सकें।

निर्गमकर्ता इलेक्ट्रॉनिक रीति में आवेदन के अभिदान के लिए सुविधा उपलब्ध करा सकेगा।

10. इलैक्ट्रॉनिक निर्गमन.—नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज की ऑन-लाइन प्रणाली के माध्यम से जनता को ऋण प्रतिभूतियों निर्गमित करने का प्रस्ताव करने वाला निर्गमकर्ता सुसंगत लागू अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।

11. बही-निर्माण के माध्यम से कीमत निर्धारण.—निर्गमकर्ता अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से ऋण प्रतिभूतियों की कीमत अवधारित कर सकेगा और निर्गम नियत कीमत पर हो सकेगा या कीमत को बही-निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से प्रक्रिया के अनुसार जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए अवधारित किया जा सकेगा।

12. न्यूनतम अभिदान (1).—निर्गमकर्ता न्यूनतम अभिदान की रकम का विनिश्चय कर सकेगा जो यह ऋण प्रतिभूतियों के निर्गम द्वारा जुटाना चाहता है और उसे प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट कर सकेगा।

(2) न्यूनतम अभिदान की अप्राप्ति की दशा में सार्वजनिक निर्गम में प्राप्त समस्त आवेदन धन तुरंत आवेदकों को लौटा दिया जाएगा।

13. हामीदारी.—ऋण प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम की हामीदारी बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हामीदार द्वारा की जा सकेगी और ऐसे मामले में हामीदारी इंतजामों के संबंध में पर्याप्त प्रकटीकरण प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किए जाएंगे।

14. प्रस्ताव दस्तावेज में अशुद्ध कथनों के प्रतिषेध (1).—प्रस्ताव दस्तावेज में किसी ऐसे तात्त्विक तथ्य के प्रकटीकरण का लोप नहीं होगा जो उसमें किए गए कथनों को, उन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिनके अधीन वे किये जाते हैं, भ्रामक बना दे।

(2) ऋण प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम के संबंध में निर्गमकर्ता द्वारा जारी प्रस्ताव दस्तावेज या संक्षिप्त प्रोस्पेक्टस या किसी विज्ञापन में कोई मिथ्या या भ्रामक कथन अंतर्विष्ट नहीं होगा।

15. न्यास विलेख (1).—ऋण प्रतिभूतियों के निर्गम को सुनिश्चित करने के लिए न्यास विलेख निर्गमकर्ता द्वारा निर्गम के बंद होने के तीन मास के भीतर डिबेंचर न्यासी के पक्ष में निष्पादित किया जाएगा।

(2) न्यास विलेख में ऐसे खण्ड अंतर्विष्ट होंगे जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 117क के अधीन विहित किए जाएं और वे जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993 की अनुसूची IV में उल्लिखित हैं।

(3) न्यास विलेख में ऐसा खण्ड अंतर्विष्ट नहीं होगा जिसका प्रभाव निम्नलिखित हो—

- (i) विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के किन्हीं अधिकारों या हितों के संबंध में डिबेंचर न्यासियों या निर्गमकर्ता की बाध्यताओं और दायित्वों को सीमित करना या निर्वापित करना;
- (ii) अधिनियम, इन विनियमों और बोर्ड द्वारा जारी परिपत्रों या मार्गदर्शक सिद्धांतों के उपबंधों को सीमित करना या निर्बाधित करना या अधित्यजित करना;
- (iii) उनके उपेक्षा के कार्य अथवा करण या लोप त्रुटि द्वारा कारित हानि या नुकसान के लिए डिबेंचर न्यासियों या निर्गमकर्ता की क्षतिपूर्ति करना।

16. डिबेंचर मोचन आरक्षिति (1).—कंपनी द्वारा निर्गमित ऋण प्रतिभूतियों के मोचन के लिए, निर्गमकर्ता कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों और इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी परिपत्रों के अनुसार डिबेंचर मोचन आरक्षिति सृजित करेगा।

(2) जहां निर्गमकर्ता ने ऋण प्रतिभूतियों पर ब्याज के भुगतान या उसके मोचन या प्रतिभूति के सृजन में चूक की हो, ऋण प्रतिभूतियों के निर्गम के निबंधनों के अनुसार, तो वहां लाभांश के किसी वितरण के लिए डिबेंचर न्यासियों का अनुमोदन अपेक्षित होगा।

17. प्रतिभूति का सृजन (1).—प्रतिभूत ऋण प्रतिभूतियों की बाबत भार या प्रतिभूति सृजित करने का प्रस्ताव, यदि कोई हो, प्रस्ताव दस्तावेज में इसकी विवक्षाओं के साथ प्रकट किया जाएगा।

(2) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में यह बचन देगा कि आस्तियाँ जिन पर भार सृजित है किन्हीं विल्लंगमों से रहित हैं और यदि आस्तियाँ पहले ही से ऋण को प्रतिभूत करने के लिए भारित हैं, तो निर्गमकर्ता की आस्तियों पर दूसरा या समगतिक (पैरी पसु) भार सृजित करने के लिए अनुज्ञाएं या सहमति पूर्वतर लेनदार से अभिप्राप्त कर ली गयी हैं।

(3) निर्गम आगमों को निलंब खाते में रखा जाएगा जब तक प्रतिभूति के सृजन के लिए दस्तावेज, जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में कथन है, निष्पादित नहीं कर लिये जाते हैं।

18. मोचन और आवर्तन (रोल-ओवर).—(1) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज के निबंधनों के अनुसार ऋण प्रतिभूतियों का मोचन करेगा।

(2) जहां निर्गमकर्ता इसके द्वारा निर्गमित ऋण प्रतिभूतियों के आवर्तन की वांछा रखता है, तो वहां यह ऐसा केवल ऐसी प्रतिभूतियों के धारकों के विशेष संकल्प के पारित किये जाने पर करेगा और प्रस्तावित आवर्तन की इक्कीस दिनों की सूचना उन्हें देगा।

(3) उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट सूचना में साख निर्धारण और आवर्तन के तर्काधार के संबंध में प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे।

(4) निर्गमकर्ता, ऋण प्रतिभूतियों के धारकों को सूचना भेजने से पूर्व, उन स्टॉक एक्सचेंजों के पास सूचना और प्रस्तावित संकल्प की प्रति दाखिल करेगा जहां ऐसी प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं, इसके वेबसाइट पर जनता को उनके प्रसार के लिए।

(5) निर्गमित ऋण प्रतिभूतियों को आवर्जन निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन किया जा सकता है :—

(क) आवर्तन डाक मतपत्र के माध्यम से ऋण प्रतिभूतियों के धारकों द्वारा पारित विशेष संकल्प द्वारा अनुमोदित है, जिसमें ऐसी ऋण प्रतिभूतियों के मूल्यानुसार धारकों के कम से कम 75% की सहमति हो;

(ख) कम से कम एक रेटिंग मोचन की नियत तारीख से पूर्व छह मास की कालावधि के भीतर साख निर्धारण एजेंसी से अभिप्रेत की जाती है और उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट सूचना में प्रकट की जाती है;

(ग) नया न्यास विलेख ऐसे आवर्तन के समय निष्पादित किया जाएगा या विद्यमान न्यास विलेख जारी रखा जा सकेगा यदि न्यास विलेख में इस प्रकार जारी रहने का उपबंध हो;

(घ) आवर्तन की जाने वाली ऐसी ऋण प्रतिभूतियों की बाबत पर्याप्त प्रतिभूति सृजित की जाएगी या बनाए रखी जाएगी।

(6) निर्गमकर्ता सभी ऋण प्रतिभूतियों के धारकों की ऋण प्रतिभूतियों का मोचन करेगा, जिन्होंने आवर्तन के प्रति अपनी निश्चयात्मक सहमति नहीं दी है।

अध्याय III

ऋण प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता

19. आज्ञापक सूचीबद्धता.—(1) जनता को ऋण प्रतिभूतियों का प्रस्ताव करने का इच्छुक निर्गमकर्ता कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 73 की उप-धारा (1) के निबंधनों के अनुसार एक या अधिक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को सूचीबद्धता के लिए आवेदन करेगा।

(2) निर्गमकर्ता उस स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीबद्धता करारनामे में यथा विनिर्दिष्ट ऐसी ऋण प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता की शर्तों का अनुपालन करेगा जहां ऐसी ऋण प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किया जाना चाहा गया है।

20. निजी स्थानन आधार पर निर्गमित ऋण प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए शर्तें.—(1) निर्गमकर्ता निजी स्थानन आधार पर निर्गमित अपनी ऋण प्रतिभूतियों को मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन सूचीबद्ध कर सकेगा :

(क) निर्गमकर्ता ने ऐसी ऋण प्रतिभूतियाँ कंपनी अधिनियम, 1956; तद्वधीन विहित नियमों और अन्य लागू विधियों के उपबंधों के अनुपालन में निर्गमित की हैं;

(ख) साख निर्धारण ऐसी ऋण प्रतिभूतियों की बाबत बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत कम से कम एक साख निर्धारण एजेंसी से अभिप्राप्त किया गया है;

(ग) सूचीबद्ध किए जाने के लिए प्रस्तावित ऋण प्रतिभूतियाँ गैरकागजी रूप में हैं;

(घ) विनियम 21 में यथा उपबोधित प्रकटीकरण कर दिए गए हैं।

(2) निर्गमकर्ता उस स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीबद्धता करारनामे में यथा विनिर्दिष्ट ऐसी ऋण प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता की शर्तों का अनुपालन करेगा जहां ऐसी ऋण प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किया जाना चाहा गया है।

21. ऋण प्रतिभूतियों के निजी स्थाननों की बाबत प्रकटीकरण.—(1) ऋण प्रतिभूतियों का निजी स्थानन करने वाला और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में उनकी सूचीबद्धता चाहने वाला निर्गमकर्ता इन विनियमों की अनुसूची I में यथा विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण करेगा, निर्गमकर्ता की सबसे अंत की वार्षिक रिपोर्ट के साथ।

(2) उप-विनियम (1) में यथा उपबोधित प्रकटीकरण स्टॉक एक्सचेंजों जहां ऐसी प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं के वेबसाइटों पर किए जाएंगे और पी.डी.एफ./एच.टी.एम.एल. फॉर्मेटों में डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध होंगे।

22. प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के कड़े प्रवर्तन का शिथिलीकरण.— प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बोर्ड एतद्वारा :

21654868-2

(क) सार्वजनिक निर्गम या निजी स्थानन के रूप में निर्गमित ऋण प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के संबंध में उक्त नियमों के नियम 19 के उप-नियम (1) और (3);

(ख) (i) किसी निर्गमकर्ता द्वारा निजी स्थानन के रूप में निर्गमित;

(ii) अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) कंपनी, सरकारी कंपनी, कानूनी प्राधिकरण या निगम या उनमें से किसी द्वारा स्थापित किसी विशेष प्रयोजन वाहन, जो अवसंरचना क्षेत्र में लगा है, द्वारा जनता को निर्गमित

ऋण प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के संबंध में उक्त नियमों के नियम 19 के उप-नियम (2) के खण्ड (ख), के कड़े प्रवर्तन को शिथिल करता है।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजनों के लिए पदों "अवसंरचना कंपनी" और "अवसंरचना क्षेत्र" का वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [प्रकटीकरण और विनिधानकर्ता (निवेशक) संरक्षण] मार्गदर्शक सिद्धांत, 2000 या उसके किसी उत्तरवर्ती के अधीन उनके लिए नियत हों।

अध्याय IV

ऋण प्रतिभूतियों की सतत सूचीबद्धता के लिए शर्तें और इनका व्यापार

23. सतत सूचीबद्धता शर्तें.—(1) ऋण प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम लाने वाले या निजी स्थानन आधार पर निर्गमित ऋण प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता चाहने वाले सभी निर्गमकर्ता ऋण प्रतिभूतियों के अपने-अपने सूचीबद्धता करारनामे में विनिर्दिष्ट सूचीबद्धता की शर्तों का अनुपालन करेंगे।

(2) निर्गमकर्ता द्वारा अभिप्राप्त प्रत्येक रेटिंग का पुनर्विलोकन सामयिक रूप से रजिस्ट्रीकृत साख निर्धारण एजेंसी द्वारा किया जाएगा और रेटिंग में किसी पुनरीक्षण को तत्परता से निर्गमकर्ता द्वारा उस स्टॉक एक्सचेंज (उस स्टॉक एक्सचेंजों) को प्रकट किया जाएगा जहां ऋण प्रतिभूतियां सूचीबद्ध हैं।

(3) रेटिंग में कोई परिवर्तन तत्परता से ऐसी रीति में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) और भावी विनिधानकर्ताओं को प्रसारित किया जाएगा जैसा स्टॉक एक्सचेंज जहां ऐसी प्रतिभूतियां सूचीबद्ध हैं समय-समय पर अवधारित करे।

(4) निर्गमकर्ता, क्रमिक डिबेंचर न्यासी और स्टॉक एक्सचेंज ऋण प्रतिभूतियों संबंधी समस्त जानकारी और रिपोर्टें जिनमें ऋण प्रतिभूतियों के संबंध में निर्गमकर्ताओं और डिबेंचर न्यासियों द्वारा दाखिल की गई अनुपालन रिपोर्टें सम्मिलित हैं विनिधानकर्ताओं और साधारण जनता को अपने वेबसाइटों पर उन्हें डालते हुए प्रसारित करेंगे।

(5) डिबेंचर न्यासी निम्नलिखित दशाओं में से किसी भी दशा में प्रेस प्रकाशनी जारी करते हुए विनिधानकर्ताओं और साधारण जनता को जानकारी प्रकट करेगा :

(क) ऋण प्रतिभूतियों पर ब्याज या मोचन की रकम का भुगतान करने में निर्गमकर्ता कंपनी द्वारा चूक;

(ख) आस्तियों पर भार सृजित करने में असफलता;

(ग) ऋण प्रतिभूतियों के प्रति नियत रेटिंग का पुनरीक्षण।

(6) उप-विनियम (5) में निर्दिष्ट जानकारी डिबेंचर न्यासी, निर्गमकर्ता और स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों, यदि कोई हो, पर भी रखी जाएगी।

24. ऋण प्रतिभूतियों का व्यापार.—(1) जनता को या निजी स्थानन आधार पर निर्गमित ऋण प्रतिभूतियों, जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं, का व्यापार किया जाएगा और ऐसे व्यापारों का समाशोधन और निपटान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधधीन किया जाएगा।

(2) ऋण प्रतिभूतियों के व्यापारों के मामले में जो काउंटर पर किए गए हों, ऐसे व्यापारों की रिपोर्टें राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनल वाले मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या ऐसे अन्य प्लेटफॉर्म को दी जाएगी जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।

(3) बोर्ड मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट अन्य प्लेटफॉर्म को व्यापारों की रिपोर्ट देने के लिए शर्तें विनिर्दिष्ट कर सकेगा।

अध्याय V

मध्यवर्तियों और निर्गमकर्ताओं की बाध्यताएं

25. डिबेंचर न्यासी की बाध्यताएं.—(1) डिबेंचर न्यासी के पास ऋण प्रतिभूतियों के धारकों के हित का संरक्षण करने के लिए अपेक्षित शक्तियाँ निहित होंगी जिनमें ऐसी प्रतिभूतियों के संस्थागत धारकों के परामर्श से निर्गमकर्ता के बोर्ड में नामनिर्देशिती निदेशक को नियुक्त करने का अधिकार सम्मिलित है।

(2) डिबेंचर न्यासी इन विनियमों, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993, न्यास विलेख और प्रस्ताव दस्तावेज के अधीन अपने कर्तव्य निभाएगा, और अपने कृत्यों का पालन करेगा, सम्यक् सतर्कता, तत्परता और निष्ठा से।

(3) डिबेंचर न्यासी सतत आधार पर समस्त तात्विक दशाओं का प्रकटीकरण सुनिश्चित करेगा।

(4) डिबेंचर न्यासी ऋण प्रतिभूतियों के लिए प्रतिभूति के सृजन और डिबेंचर मोचन आरक्षित के संबंध में शर्तों के कार्यान्वयन का पर्यवेक्षण करेंगे।

26. निर्गमकर्ता, अग्रणी मर्चेट बैंककार, आदि की बाध्यताएं.—(1) निर्गमकर्ता जनता को जारी या वितरित प्रस्ताव

दस्तावेजों में समस्त तात्विक तथ्यों को प्रकट करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए समस्त प्रकटीकरण सही, उचित और पर्याप्त हैं और प्रस्ताव दस्तावेज में कोई भ्रामक या असत्य कथन या अशुद्ध कथन नहीं हैं।

(2) मर्चेंट बैंककार यह सत्यापित और पुष्ट करेगा कि प्रस्ताव दस्तावेजों में किए गए प्रकटीकरण सही, उचित और पर्याप्त हैं और यह सुनिश्चित करेगा कि निर्गमकर्ता इन विनियमों और इन विनियमों की अनुसूची I तथा कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची II में अपेक्षित समस्त संव्यवहार विनिर्दिष्ट प्रकटीकरणों के अनुपालन में है।

(3) निर्गमकर्ता ऋण प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम में आवेदकों के साथ प्रक्रियाओं के अनुसार ऋजु और साम्यपूर्ण रीति में बर्ताव करेगा जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।

(4) मध्यवर्ती जनता को प्रतिभूतियों के निर्गम, प्रस्ताव और वितरण की बाबत उनके द्वारा अपने ऊपर लिए गए कर्तव्यभारों की बाबत सम्यक् तत्परता के लिए जिम्मेदार होंगे।

(5) कोई भी व्यक्ति ऋण प्रतिभूतियों जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं या सूचीबद्ध किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं के निर्गम या अभिदान या वितरण के संबंध में धोखा देने के लिए कोई युक्ति, स्कीम नहीं लगाएगा या प्रयत्न नहीं करेगा।

(6) निर्गमकर्ता और मर्चेंट बैंककार यह सुनिश्चित करेंगे कि ऋण प्रतिभूतियों को प्रतिभूत करने के लिए सृजित प्रतिभूति ऋण प्रतिभूतियों के लिए 100% आस्ति कवर को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त है।

अध्याय VI

विनियमों के अतिक्रमण की दशा में कार्रवाई के लिए प्रक्रिया

27. बोर्ड द्वारा निरीक्षण.—(1) अधिनियम की धारा 11 और 11ग तथा कंपनी अधिनियम की धारा 209क के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड स्वप्रेरणा से या इसके द्वारा प्राप्त जानकारी पर, निर्गमकर्ता या मर्चेंट बैंककार या ऋण प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम, प्रकटीकरण या सूचीबद्धता से सहयुक्त किसी अन्य मध्यवर्ती की लेखा बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों का निरीक्षण करने के लिए एक या अधिक व्यक्तियों को नियुक्त कर सकेगा, इन विनियमों के अधीन यथा विनियमित, उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों में से किसी प्रयोजन के लिए।

(2) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट प्रयोजन निम्नानुसार हो सकेंगे, अर्थात् :—

(क) यह सत्यापित करना कि क्या प्रतिभूतियों के निर्गम की बाबत अधिनियम, प्रतिभूति सविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, निक्षेपागार अधिनियम, 1996, तद्धीन बनाए गए नियमों और विनियमों के उपबंधों का अनुपालन किया गया है;

(ख) यह सत्यापित करना कि क्या इन विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के निर्गम की बाबत अपेक्षा का अनुपालन किया गया है;

(ग) यह सत्यापित करना कि क्या सूचीबद्धता शर्तों की अपेक्षाओं और सतत प्रकटीकरण अपेक्षा का अनुपालन किया गया है;

(घ) इन विनियमों के अधीन विनियमित प्रतिभूतियों के निर्गम और अंतरण के किसी मामले पर विनिधानकर्ताओं (निवेशकों), अन्य बाजार सहभागियों या किन्हीं अन्य व्यक्तियों से प्राप्त शिकायतों की जांच करना;

(ङ) इन विनियमों के अधीन विनियमित, विनिधानकर्ता (निवेशक) संरक्षण के हित में या बाजार की सत्यनिष्ठा में, निर्गमकर्ता के कार्यकलापों की जांच करना;

(च) यह जांच करना कि क्या बोर्ड द्वारा जारी किसी निदेश का अनुपालन कर लिया गया है।

(3) इन विनियमों के अधीन निरीक्षण करते समय, निरीक्षण प्राधिकारी या बोर्ड, यथास्थिति, मध्यवर्तियों के निरीक्षण के लिए बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण करेंगे।

28. बोर्ड द्वारा निदेश.—अधिनियम की धारा 11, 11क, 11ख, 11घ, धारा 12 की उप-धारा (3), अध्याय VIक और धारा 24 या कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 621 के अधीन कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड स्वप्रेरणा से या जानकारी की प्राप्ति पर या निरीक्षण अथवा अन्वेषण के पूरा होने पर या लंबित रहते, प्रतिभूति बाजार के हितों में, ऐसे निदेश जारी या पारित कर सकेगा जैसा यह ठीक समझे जिनमें निम्नलिखित में से कोई या सभी सम्मिलित हैं—

(क) सार्वजनिक निर्गम में आवेदकों को आवेदन धन लौटाने के लिए निर्गमकर्ता को निदेश देना;

(ख) संबद्ध व्यक्तियों को किसी विशिष्ट रीति में प्रतिभूतियों में आगे व्यौहार न करने का निदेश देना;

(ग) संबद्ध व्यक्तियों को विशिष्ट कालावधि के लिए प्रतिभूति बाजार में पहुंच न रखने का निदेश देना;

(घ) निर्गमकर्ता या इसके संप्रवर्तकों या निदेशकों को प्रतिभूतियों के आगे निर्गम लाने से अवरुद्ध करना;

(ङ) संबद्ध व्यक्तियों को प्रतिभूतियों को विक्रय करने या को विनिहित करने का निदेश देना;

(च) निर्गमकर्ता या निक्षेपागार का अंतरण कार्यान्वित न करने का निदेश देना या प्रतिभूतियों के अंतरण पर आगे रोक लगाने का निदेश देना;

(छ) कोई अन्य निदेश जो बोर्ड मामले की परिस्थितियों में उपयुक्त तथा उचित समझे;

परंतु यह कि बोर्ड, या तो ऐसे निदेश जारी करने से पूर्व या के पश्चात्, उन व्यक्तियों को सुनवाई का अवसर देगा जिनके खिलाफ निदेश जारी किए जाते हैं या जारी किए जाने प्रस्तावित हैं :

परंतु यह और कि यदि कोई एकपक्षीय निदेश जारी किया जाना अपेक्षित है, तो बोर्ड प्रभावित व्यक्ति को विनिश्चय के पश्चात् सुनवाई का अवसर दे सकेगा ।

29. अपील.—अधिनियम या इन विनियमों के अधीन बोर्ड या न्यायनिर्णायक अधिकारी के आदेश से व्यथित कोई व्यक्ति, प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण [अपील अधिकरण] (प्रक्रिया) नियम, 2000 के साथ पठित अधिनियम की धारा 15न के अनुसार प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण [अपील अधिकरण] को अपील कर सकेगा।

अध्याय VII

विविध

30. प्रत्यायोजन.—इन विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा प्रयोग की जा सकने वाली शक्तियाँ बोर्ड के किसी अधिकारी द्वारा भी प्रयोग की जाएंगी जिसको ऐसी शक्तियाँ बोर्ड द्वारा प्रत्यायोजित की जाती हैं।

31. साधारण आदेश या परिपत्र जारी करने की बोर्ड की शक्ति.—(1) बोर्ड साधारण या विशेष आदेश या परिपत्र द्वारा ऋण प्रतिभूतियों के निर्गमन की बाबत कोई शर्तें या अपेक्षा विनिर्दिष्ट कर सकेगा।

(2) विशिष्टतया, और इन विनियमों की पूर्वगामी शक्ति और उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे आदेशों या परिपत्रों में निम्नलिखित मामलों में से सभी या किसी का उपबंध हो सकेगा, अर्थात् :

- (क) इलैक्ट्रॉनिक निर्गमन और अन्य निर्गम प्रक्रियाएँ जिनमें कीमत निर्धारण की प्रक्रिया सम्मिलित है;
- (ख) ऋण प्रतिभूतियों में व्यापार, की रिपोर्टिंग, समाशोधन (क्लीयरिंग) और निपटान को विनियमित करने वाली शर्तें;
- (ग) सूचीबद्धता शर्तें ।

(3) यदि कोई विशेष आदेश विनिर्दिष्ट मुद्दे पर किसी विशिष्ट निर्गमकर्ता या मध्यवर्ती को जारी किया जाना प्रस्तावित है, तो कोई भी ऐसा आदेश तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे आदेश से व्यथित व्यक्ति को अभ्यावेदन करने का अवसर नहीं दे दिया जाता है ।

32. कठिनाई को दूर करने की शक्ति.—(1) इन विनियमों के लागू होने या निर्वहन में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड स्पष्टीकरण जारी कर सकेगा या इन विनियमों की आवेदन अपेक्षा या शर्तों से शिथिलीकरण प्रदान कर सकेगा, उसके कारणों को अभिलिखित करने के पश्चात् ।

(2) बोर्ड, किसी निर्गमकर्ता द्वारा किए गए आवेदन पर, इन विनियमों की किन्हीं प्रक्रिया संबंधी अपेक्षाओं या शर्तों या इनके कड़े

प्रवर्तन को शिथिल कर सकेगा, यदि बोर्ड का यह समाधान हो जाता है कि :

- (क) अपेक्षा का स्वरूप प्रक्रिया संबंधी या तकनीकी प्रकृति का है; या
- (ख) अपेक्षा, विशिष्ट वर्ग के उद्योग या निर्गमकर्ताओं को प्रतिभूति बाजार में पहुँच रखने से असम्यक् कष्ट पहुँचाती है; या
- (ग) शिथिलीकरण पर्याप्त संख्या के विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में हैं; या
- (घ) ऐसा शिथिलीकरण प्रतिभूति बाजार के हित में होगा ।

33. निरसन और व्यावृत्तियाँ.—(1) इन विनियमों के प्रारंभ से ही, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [प्रकटीकरण और विनिधानकर्ता (निवेशक) संरक्षण] मार्गदर्शक सिद्धांत, 2000 के उपबंध जहाँ तक कि वे ऋण प्रतिभूतियों के निर्गमन और सूचीबद्धता से संबंधित हैं विखंडित हो जाएंगे ।

(2) ऐसे विखंडन के होते हुए भी :-

- (क) की गई कोई बात या की गई कोई कार्रवाई या किये जाने के लिए तात्पर्यित कोई बात या कोई कार्रवाई जिसमें उक्त मार्गदर्शक सिद्धांतों की बाबत किसी प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज की बाबत दिया गया संप्रेक्षण, प्रारंभ की गई कोई जांच या अन्वेषण या जारी की गई कारण बताओ सूचना सम्मिलित है इन विनियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन की गयी समझी जाएगी;
- (ख) उक्त मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन बोर्ड को किया गया और इसके समक्ष लंबित कोई आवेदन इन विनियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन किया गया समझा जाएगा ।

अनुसूची I

[विनियम 5(2)(ख) देखें]

प्रकटीकरण

1. मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में अपनी ऋण प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता चाहने वाला निर्गमकर्ता निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ स्टॉक एक्सचेंज को सूचीबद्धता आवेदन अग्रेषित करेगा—

- (क) संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद तथा न्यास विलेख की प्रति ।
- (ख) सबसे अंत के लेखापरीक्षित तुलन पत्र और वार्षिक रिपोर्ट की प्रति ।
- (ग) सभी तात्विक संविदाओं और करारनामों (करारों) की तारीखों, और पक्षकारों की विशिष्टियों से युक्त विवरण :

परंतु यह कि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज ऐसी अतिरिक्त विशिष्टियाँ या दस्तावेज मांगा सकेगा जैसा यह उचित समझे ।

2. निम्नलिखित प्रकटीकरण किये जाएंगे जहाँ सुसंगत हों :

- (i) निर्गमकर्ता का नाम और इसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता ।
- (ii) निर्गमकर्ता के निदेशकों के नाम और पते ।
- (iii) निर्गमकर्ता के कारबार/क्रियाकलापों और इसके कारबार के प्रकार का संक्षिप्त विवरण ।
- (iv) और निर्गमकर्ता का संक्षिप्त इतिहास, इसके निगमन से, इसके क्रियाकलापों के ब्यौरे देते हुए जिनमें कोई पुनर्गठन, पुनर्निर्माण या समामेलन, इसकी पूँजी की संरचना में परिवर्तन, (प्राधिकृत, निर्गमित और अभिदत्त) तथा उधार, यदि कोई हों, सम्मिलित हैं ।
- (v) निर्गमित और सूचीबद्ध किये जाने के लिए चाही गयी ऋण प्रतिभूतियों के ब्यौरे जिनमें अंकित मूल्य, ऋण प्रतिभूतियों का स्वरूप निर्गमन की रीति अर्थात् सार्वजनिक निर्गम या निजी स्थानन सम्मिलित हैं ।
- (vi) निर्गम का आकार ।
- (vii) निर्गम आगमों के उपयोग के ब्यौरे ।
- (viii) सभी तात्त्विक संविदाओं, करारनामों की तारीखों, और के पक्षकारों की विशिष्टियों से युक्त विवरण जिनमें निर्गमकर्ता की वित्तीय बाध्यताएँ अंतर्फलित हैं ।
- (ix) अन्य उधारों के ब्यौरे जिनमें गत समय में ऋण प्रतिभूतियों का कोई अन्य निर्गम सम्मिलित है ।
- (x) निर्गम के समय या निर्गम के पश्चात् कोई तात्त्विक घटना/उद्घटना या परिवर्तन जो निर्गम को या ऋण प्रतिभूतियों में विनिधान करने/विनिधान करते रहने के विनिधानकर्ता के विनिश्चय को प्रभावित कर सकेगा ।
- (xi) (i) नकद से भिन्न प्रतिफल के लिए, चाहे पूर्णतः या अंशतः, (ii) प्रीमियम अथवा छूट पर, या (iii) विकल्प के अनुसरण में निर्गमित ऋण प्रतिभूतियों की विशिष्टियाँ ।
- (xii) आवेदन की तारीख को निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों के प्रत्येक वर्ग या प्रकार के उच्चतम दस धारकों की सूची, उनके द्वारा धारित शेयरों या ऋण प्रतिभूतियों की संख्या के विषय में विशिष्टियों और प्रत्येक ऐसे धारक के पते के साथ ।
- (xiii) यह वचन कि निर्गमकर्ता अंतरण के सामान्य रूप का प्रयोग करेगा ।
- (xiv) मोचन रकम, परिपक्वता की कालावधि, मोचन पर प्राप्ति ।
- (xv) प्रस्ताव या क्रय के निबंधनों से संबंधित जानकारी ।

(xvi) छूट जिस पर ऐसा प्रस्ताव किया जाता है और ऐसी छूट के परिणामस्वरूप विनिधानकर्ता के लिए प्रभावी कीमत ।

(xvii) ऋण प्रतिभूति के निर्गम से पूर्व और के पश्चात् ऋण इक्विटी अनुपात ।

(xviii) विद्यमान ऋण प्रतिभूतियों संबंधी सर्विसिंग व्यवहार, सावधि ऋणों और ऋण प्रतिभूतियों पर नियत तारीखों को देय ब्याज का भुगतान ।

(xix) यह कि प्रस्तावित निर्गम के न्यासियों के पक्ष में सृजित होने वाले द्वितीय या समगतिक प्रभार के लिए पूर्विक लेनदार से अनुज्ञा/सहमति अभिप्राप्त कर ली गयी है ।

(xx) डिबेंचर न्यासी (न्यासियों) का (के) नाम उस भाव के कथन के साथ कि डिबेंचर न्यासी (न्यासियों) ने विनियम 4(4) के अधीन अपनी नियुक्ति के लिए निर्गमकर्ता को अपनी सहमति दे दी है और ऋण प्रतिभूतियों के धारकों को भेजी गयी सभी पश्चात्पूर्वी सामयिक संसूचनाओं में भी उल्लिखित किए जाएंगे ।

(xxi) रेटिंग एजेंसियों द्वारा अपनाये गये रेटिंग के तर्काधार (तर्काधारों) को प्रकट किया जायेगा ।

(xxii) सभी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के नाम जहाँ प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज को स्पष्ट तौर पर उपदर्शित करते हुए और यह भी कि क्या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज से सैद्धांतिक अनुमोदन अभिप्राप्त कर लिया गया है ।

(xxiii) संक्षिप्त निबंधन-पत्रक उपलब्ध कराया जायेगा जिसमें प्रतिभूति/अप्रतिभूत असंपरिवर्तनीय ऋण प्रतिभूतियों (या उनकी शृंखला) से संबंधित संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार सम्मिलित होगी (जहाँ सुसंगत हों) :

- निर्गमकर्ता
- ऋण प्रतिभूतियों का न्यूनतम अभिदान और तत्पश्चात्--- ऋण प्रतिभूतियों के गुणज में
- परिपक्वता काल-----मास - आबंटन की समझी गयी तारीख से
- कूपन दर/कूपन तारीख-----% प्रति वर्ष (सदेय-----) प्रत्येक वर्ष-----को
- मोचन की तारीख
- पुट/कॉल विकल्प-----
- -----स्टॉक एक्सचेंज के पास ऋण प्रतिभूतियों की प्रस्तावित सूचीबद्धता
- निर्गमन - कागजी/गैर-कागजी रूप

2165 52708-3

- व्यापार - केवल गैर कागजी रूप में
- निक्षेपगार-----
- प्रतिभूति
- -----द्वारा रेटिंग ----- (भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के पास दाखिल किये जाने वाले प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में सभी साख निर्धारण/निर्धारणों को प्रकट किया जाएगा, जिनमें कोई अस्वीकृत साख निर्धारण सम्मिलित हैं)
- [भुगतान प्रक्रिया के ब्यौरे अंतःस्थापित करें] के रूप में निपटारा
- निर्गम अनुसूची :
 - निर्गम खुलने की तारीख : -----
 - निर्गम बंद होने की तारीख : -----
- आवक-भुगतान (पे-इन) की तारीख-----
- आबंटन की समझी गयी तारीख-----

अनुसूची II

[विनियम 6 (7) देखें]

कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने के समय और निर्गम के खुलने से पूर्व सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फॉर्मेट

प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रिय महोदय/महोदया,

विषय :-----लि. द्वारा-----का निर्गम

1. हम यह पुष्टि करते हैं कि न तो निर्गमकर्ता को और न ही इसके संप्रवर्तकों या निदेशकों को बोर्ड द्वारा पारित किसी आदेश या निदेश के अधीन पूँजी बाजार में पहुँच रखने से प्रतिषिद्ध किया गया है। हम यह भी पुष्टि करते हैं कि प्रस्ताव दस्तावेज में नामित मध्यवर्तियों में से किसी को भी किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा कार्य करने से विवर्जित नहीं किया गया है।
2. हम यह पुष्टि करते हैं कि निर्गमकर्ता के बारे में सभी तात्विक प्रकटीकरण प्रस्ताव दस्तावेज में किये गये हैं और यह प्रमाणित करते हैं कि इस निर्गम के माध्यम से प्रस्तावित शेयरों की सूचीबद्धता और के व्यापार के प्रारंभ होने तक निर्गम में या निर्गम के संबंध में किसी तात्विक उद्घटना की सूचना उन सभी समाचारपत्रों में सार्वजनिक सूचनाओं/विज्ञापनों के माध्यम से दी जायेगी जिनमें पूर्व-निर्गम विज्ञापन और निर्गम के खुलने या बंद होने के लिए विज्ञापन दिये गये हैं।
3. हम यह पुष्टि करते हैं कि प्रस्ताव दस्तावेज में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (ऋण प्रतिभूतियों का निर्गम और इनकी सूचीबद्धता) विनियम, 2008 में यथा विनिर्दिष्ट सभी प्रकटीकरण अंतर्षिष्ट हैं।

4. हम यह भी पुष्टि करते हैं कि कंपनी अधिनियम, 1956, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 और तद्धीन जारी नियमों, विनियमों, मार्गदर्शक सिद्धांतों के सभी सुसंगत उपबंधों, परिपत्रों का अनुपालन किया जाता है।

हम यह पुष्टि करते हैं कि----- (नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज) के वेबसाइट पर दाखिल किये गये प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में प्राप्त सभी टिप्पणियों/शिकायतों का उपयुक्त रूप से निवारण कर लिया गया है।

स्थान

तारीख :

अग्रणी मर्चेंट बैंकर

अनुसूची-III

[विनियम 6 (8) देखें]

निर्गम के खुलने से पूर्व डिबेंचर न्यासी द्वारा दिये जाने वाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फॉर्मेट

प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रिय महोदय/महोदया,

विषय :----- लि. द्वारा----- का निर्गम

हम, ऊपर उल्लिखित आगामी निर्गम के डिबेंचर न्यासी निम्नानुसार कथन करते हैं कि :

- (1) हमने उक्त निर्गम से संबंधित दस्तावेजों और अन्य ऐसे सुसंगत दस्तावेजों की परीक्षा कर ली है।
- (2) ऐसी परीक्षा और निर्गमकर्ता, इसके निदेशकों तथा अन्य अधिकारियों, अन्य एजेंसियों के साथ चर्चाओं और विभिन्न सुसंगत दस्तावेजों के स्वतंत्र सत्यापन के आधार पर,

हम यह पुष्टि करते हैं कि :

- (क) निर्गमकर्ता ने निर्गमित की जाने वाली ऋण प्रतिभूतियों के लिए पर्याप्त प्रतिभूति के लिए पर्याप्त उपबंध किए हैं और/या का उपबंध करने के लिए कदम उठाए हैं।
- (ख) निर्गमकर्ता ने उक्त संपत्ति (संपत्तियों) पर प्रतिभूति का सृजन करने के लिए आवश्यक अनुज्ञापन/सहमतियाँ अभिप्राप्त कर ली हैं।
- (ग) निर्गमकर्ता ने प्रतिभूति और ऋण प्रतिभूतियों के धारकों के प्रति अपनी सतत बाध्यताओं के बारे में भी सभी सुसंगत प्रकटीकरण किए हैं।

(घ) ऋण प्रतिभूतियों के बारे में प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए सभी प्रकटीकरण विनिधानकर्ताओं को प्रस्तावित निर्गम में विनिधान करने के विषय में सोच-समझकर विनिश्चय करने में समर्थ बनाने के लिए सत्य, ऋजु और पर्याप्त हैं।

हमने ऋण प्रतिभूतियों की सर्विस के लिए निर्गमकर्ता की योग्यता के बारे में स्वयं का समाधान कर लिया है।

स्थान :

तारीख : निर्गम का डिबेंचर न्यासी [उसकी मुद्रा (सील) सहित]

अनुसूची-IV

[विनियम 8(1) देखें]

सार्वजनिक निर्गमों के लिए निर्गम विज्ञापन का फार्मेट

यह विज्ञापन जानकारी के प्रयोजनों के लिए है

----- लिमिटेड

(कंपनी अधिनियम के अधीन ----- के रूप में ---- को निर्गमित और तत्पश्चात् ----- को ----- पुनःनामित)

रजिस्ट्रीकृत कार्यालय : ---- दूरभाष : ---- फैंक्स : ----

निर्गमित कार्यालय : ---- दूरभाष : ---- फैंक्स : ----

ई-मेल : ----- वेबसाइट : -----

निर्गम

रु. ---- की कीमत पर रु. --- प्रत्येक की ---- ऋण

प्रतिभूतियों का सार्वजनिक निर्गम (कूपन, मोचन, इत्यादि के संक्षिप्त ब्योरे प्रकट किए जाएंगे)

संप्रवर्तक

XXXX

प्रस्तावित सूचीबद्धता

स्टॉक एक्सचेंजों के नाम

मर्चेन्ट बैंककार

(नाम)

निर्गमकर्ता का अनुपालन अधिकारी

नाम, पता, दूरभाष तथा फैंक्स संख्याएं, ई-मेल, वेबसाइट

साख निर्धारण

(अभिप्राप्त रेटिंग को उसके अर्थ के साथ प्रमुख रूप से प्रकट किया जाएगा)

डिबेंचर न्यासी

(नाम)

आवेदन प्ररूपों की उपलब्धता

निर्गमकर्ता, अग्रणी प्रबंधकों, इत्यादि के नाम (पते वैकल्पिक)

प्रस्ताव दस्तावेज की उपलब्धता

विनिधानकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निर्गम में आवेदन करने से पहले प्रस्ताव दस्तावेज और उसमें अंतर्विष्ट जोखिम कारकों का संदर्भ लें। प्रस्ताव दस्तावेज की पूरी प्रति www.----- पर निर्गमकर्ता/अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों)/स्टॉक एक्सचेंज/(एक्सचेंजों) के वेबसाइटों पर उपलब्ध है।

निर्गम खुलने की तारीख : -----

निर्गम बंद होने की तारीख : -----

निर्गमकर्ता के निदेशकों

द्वारा जारी

सी. बी. भावे, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69-जैडबी/2008/असा.]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA NOTIFICATION

Mumbai, the 6th June, 2008

Securities and Exchange Board of India
(Issue and Listing of Debt Securities) Regulations,
2008

LAD-HRD/GN/2008/13/127878.—In exercise of the powers under Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations, namely:—

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. **Short title and commencement.**—(1). These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Issue and Listing of Debt Securities) Regulations, 2008.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Definitions.**—(1) In these Regulations, unless the context otherwise requires,

- (a) "Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (b) "advertisement" includes notices, brochures, pamphlets, circulars, show cards, catalogues, hoardings, placards, posters, insertions in newspaper, pictures, films, cover pages of offer documents or any other print medium, radio, television programmes through any electronic medium;
- (c) "Board" means the Securities and Exchange Board of India established under provisions of Section 3 of Act;
- (d) "book building" means a process undertaken prior to filing of prospectus with the Registrar

of Companies by means of circulation of a notice, circular, advertisement or other document by which the demand for the debt securities proposed to be issued by an issuer is elicited and the price and quantity of such securities is assessed;

- (e) "debt securities" means a non-convertible debt securities which create or acknowledge indebtedness, and include debenture, bonds and such other securities of a body corporate or any statutory body constituted by virtue of a legislation, whether constituting a charge on the assets of the body corporate or not, but excludes bonds issued by Government or such other bodies as may be specified by the Board, security receipts and securitized debt instruments;
- (f) "designated stock exchange" means a stock exchange in which securities of the issuer are listed or proposed to be listed and which is chosen by the issuer for the purposes of a particular issue under these regulations;
- (g) "issuer" means any company, public sector undertaking or statutory corporation which makes or proposes to make an issue of debt securities in accordance with these regulations or which has its securities listed on a recognized stock exchange or which seeks to list its debt securities on a recognized stock exchange;
- (h) "private placement" means an offer or invitation to less than fifty persons to subscribe to the debt securities in terms of sub-section (3) of Section 67 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (i) "public issue" means an offer or invitation by an issuer to public to subscribe to the debt securities which is not in the nature of a private placement;
- (j) "offer document" means prospectus and includes any such document or advertisement whereby the subscription to debt securities are invited by the issuer from public;
- (k) "recognised stock exchange" means any stock exchange which is recognised under Section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956;
- (l) "schedule" means a schedule annexed to these regulations;
- (m) "specified" means specified by a general or special order or circular issued under the Act or these regulations.

(2) All other words and expressions used but not defined in these regulations, shall have the same meanings

respectively assigned to them in the Act or the Companies Act, 1956 or Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 or the Depositories Act, 1996 or the Rules and the Regulations made thereunder or any statutory modification or re-enactment thereto, unless the context requires otherwise.

3. Applicability.—These regulations shall apply to—

- (a) public issue of debt securities; and
- (b) listing of debt securities issued through public issue or on private placement basis on a recognized stock exchange.

CHAPTER II

ISSUE REQUIREMENTS FOR PUBLIC ISSUES

4. General Conditions.—(1) No issuer shall make any public issue of debt securities if as on the date of filing of draft offer document and final offer document as provided in these regulations, the issuer or the person in control of the issuer, or its promoter, has been restrained or prohibited or debarred by the Board from accessing the securities market or dealing in securities and such direction or order is in force.

(2) No issuer shall make a public issue of debt securities unless following conditions are satisfied, as on the date of filing of draft offer document and final offer document as provided in these regulations,

- (a) it has made an application to one or more recognized stock exchanges for listing of such securities therein:

Provided that where the application is made to more than one recognized stock exchanges, the issuer shall choose one of them as the designated stock exchange;

Provided further that where any of such stock exchanges have nationwide trading terminals, the issuer shall choose one of them as the designated stock exchange;

Explanation: For any subsequent public issue, the issuer may choose a different stock exchange as a designated stock exchange subject to the requirements of this regulation;

- (b) it has obtained in-principle approval for listing of its debt securities on the recognized stock exchanges where the application for listing has been made;
 - (c) credit rating has been obtained from at least one credit rating agency registered with the Board and is disclosed in the offer document:
- Provided that where credit ratings are obtained from more than one credit rating agencies, all the ratings, including the unaccepted ratings, shall be disclosed in the offer document;

(d) it has entered into an arrangement with a depository registered with the Board for dematerialization of the debt securities that are proposed to be issued to the public, in accordance with the Depositories Act, 1996 and regulations made thereunder.

(3) The issuer shall appoint one or more merchant bankers registered with the Board at least one of whom shall be a lead merchant banker.

(4) The issuer shall appoint one or more debenture trustees in accordance with the provisions of Section 117B of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) Regulations, 1993.

(5) The issuer shall not issue debt securities for providing loan to or acquisition of shares of any person who is part of the same group or who is under the same management.

(6) Explanation: For the purposes of sub-regulation (5),—

(a) two persons shall be deemed to be "part of the same group" if they belong to the same group within the meaning of clause (ef) of Section 2 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969) or if they own "inter-connected undertakings" within the meaning of clause (g) of Section 2 of that Act;

(b) the expression "under the same management" shall have the meaning derived from sub-section (1B) of Section 370 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

5. Disclosures in the offer document (1).—The offer document shall contain all material disclosures which are necessary for the subscribers of the debt securities to take an informed investment decision.

(2) Without prejudice to the generality of sub-regulation (1), the issuer and the lead merchant banker shall ensure that the offer document contains the following:

- (a) the disclosures specified in Schedule II of the Companies Act, 1956;
- (b) disclosure specified in Schedule I of these regulations;
- (c) additional disclosures as may be specified by the Board.

Explanation :—For the purpose of this regulation, "material" means anything which is likely to impact an investors' investment decision.

6. Filing of draft offer document .—(1) No issuer shall make a public issue of debt securities unless a draft

offer document has been filed with the designated stock exchange through the lead merchant banker.

(2) The draft offer document filed with the designated stock exchange shall be made public by posting the same on the website of the designated stock exchange for seeking public comments for a period of seven working days from the date of filing the draft offer document with such exchange.

(3) The draft offer document may also be displayed on the website of the issuer, merchant bankers and the stock exchanges where the debt securities are proposed to be listed.

(4) The lead merchant banker shall ensure that the draft offer document clearly specifies the names and contact particulars of the compliance officer of the lead merchant banker and the issuer including the postal and email address, telephone and fax numbers.

(5) The Lead Merchant Banker shall ensure that all comments received on the draft offer document are suitably addressed prior to the filing of the offer document with the Registrar of Companies.

(6) A copy of draft and final offer document shall also be forwarded to the Board for its records, simultaneously with filing of these documents with designated stock exchange.

(7) The lead merchant banker shall, prior to filing of the offer document with the Registrar of Companies, furnish to the Board a due diligence certificate as per Schedule II of these regulations.

(8) The debenture trustee shall, prior to the opening of the public issue, furnish to the Board a due diligence certificate as per Schedule III of these regulations.

7. Mode of Disclosure of Offer Document .—(1) The draft and final offer document shall be displayed on the websites of stock exchanges and shall be available for download in PDF / HTML formats.

(2) The offer document shall be filed with the designated stock exchange, simultaneously with filing thereof with the Registrar of Companies, for dissemination on its website prior to the opening of the issue.

(3) Where any person makes a request for a physical copy of the offer document, the same shall be provided to him by the issuer or lead merchant banker.

8. Advertisements for Public issues .—(1) The issuer shall make a advertisement in an national daily with wide circulation, on or before the issue opening date and such advertisement shall, amongst other things, contain the disclosures as per Schedule IV.

(2) No issuer shall issue an advertisement which is misleading in material particular or which contains any information in a distorted manner or which is manipulative or deceptive.

2165 52708-4

(3) The advertisement shall be truthful, fair and clear and shall not contain a statement, promise or forecast which is untrue or misleading.

(4) Any advertisement issued by the issuer shall not contain any matters which are extraneous to the contents of the offer document.

(5) The advertisement shall urge the investors to invest only on the basis of information contained in the offer document.

(6) Any corporate or product advertisement issued by the issuer during the subscription period shall not make any reference to the issue of debt securities or be used for solicitation.

9. Abridged Prospectus and application forms (1).—The issuer and lead merchant banker shall ensure that :

- (a) every application form issued by the issuer is accompanied by a copy of the abridged prospectus;
- (b) the abridged prospectus shall not contain matters which are extraneous to the contents of the prospectus;
- (c) adequate space shall be provided in the application form to enable the investors to fill in various details like name, address, etc.

(2) The issuer may provide the facility for subscription of application in electronic mode.

10. Electronic Issuances.—An issuer proposing to issue debt securities to the public through the on-line system of the designated stock exchange shall comply with the relevant applicable requirements as may be specified by the Board.

11. Price Discovery through Book Building.—The issuer may determine the price of debt securities in consultation with the lead merchant banker and the issue may be at fixed price or the price may be determined through book building process in accordance with the procedure as may be specified by the Board.

12. Minimum subscription.—(1) The issuer may decide the amount of minimum subscription which it seeks to raise by issue of debt securities and disclose the same in the offer document.

(2) In the event of non-receipt of minimum subscription all application moneys received in the public issue shall be refunded forthwith to the applicants.

13. Underwriting.—A public issue of debt securities may be underwritten by an underwriter registered with the Board and in such a case adequate disclosures regarding underwriting arrangements shall be disclosed in the offer document.

14. Prohibitions of mis-statements in the offer document.—(1) The offer document shall not omit

disclosure of any material fact which may make the statements made therein, in light of the circumstances under which they are made, misleading.

(2) The offer document or abridged prospectus or any advertisement issued by an issuer in connection with a public issue of debt securities shall not contain any false or misleading statement.

15. Trust Deed.—(1) A trust deed for securing the issue of debt securities shall be executed by the issuer in favour of the debenture trustee within three months of the closure of the issue.

(2) The trust deed shall contain such clauses as may be prescribed under section 117A of the Companies Act, 1956 and those mentioned in Schedule IV of the Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) Regulations, 1993.

(3) The trust deed shall not contain a clause which has the effect of —

- (i) limiting or extinguishing the obligations and liabilities of the debenture trustees or the issuer in relation to any rights or interests of the investors;
- (ii) limiting or restricting or waiving the provisions of the Act, these regulations and circulars or guidelines issued by the Board;
- (iii) indemnifying the debenture trustees or the issuer for loss or damage caused by their act of negligence or commission or omission.

16. Debenture Redemption Reserve (1).—For the redemption of the debt securities issued by a company, the issuer shall create debenture redemption reserve in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 and circulars issued by Central Government in this regard.

(2) Where the issuer has defaulted in payment of interest on debt securities or redemption thereof or in creation of security as per the terms of the issue of debt securities, any distribution of dividend shall require approval of the debenture trustees.

17. Creation of security.—(1) The proposal to create a charge or security, if any, in respect of secured debt securities shall be disclosed in the offer document along with its implications.

(2) The issuer shall give an undertaking in the offer document that the assets on which charge is created are free from any encumbrances and if the assets are already charged to secure a debt, the permissions or consent to create second or pari passu charge on the assets of the issuer have been obtained from the earlier creditor.

(3) The issue proceeds shall be kept in an escrow account until the documents for creation of security as stated in the offer document, are executed.

18. Redemption and Roll-Over.—(1) The issuer shall redeem the debt securities in terms of the offer document.

(2) Where the issuer desires to roll-over the debt securities issued by it, it shall do so only upon passing of a special resolution of holders of such securities and give twenty one days notice of the proposed roll over to them.

(3) The notice referred to in sub-regulation (2) shall contain disclosures with regard to credit rating and rationale for roll-over.

(4) The issuer shall, prior to sending the notice to holders of debt securities, file a copy of the notice and proposed resolution with the stock exchanges where such securities are listed, for dissemination of the same to public on its website.

(5) The debt securities issued can be rolled over subject to the following conditions :—

- (a) the roll-over is approved by a special resolution passed by the holders of debt securities through postal ballot having the consent of not less than 75% of the holders by value of such debt securities;
- (b) atleast one rating is obtained from a credit rating agency within a period of six months prior to the due date of redemption and is disclosed in the notice referred to in sub-regulation (2);
- (c) fresh trust deed shall be executed at the time of such roll-over or the existing trust deed may be continued if the trust deed provides for such continuation ;
- (d) adequate security shall be created or maintained in respect of such debt securities to be rolled-over.

(6) The issuer shall redeem the debt securities of all the debt securities holders, who have not given their positive consent to the roll-over.

CHAPTER III

LISTING OF DEBT SECURITIES

19. Mandatory listing.—(1) An issuer desirous of making an offer of debt securities to the public shall make an application for listing to one or more recognized stock exchanges in terms of sub-section (1) of Section 73 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

(2) The issuer shall comply with conditions of listing of such debt securities as specified in the Listing Agreement with the stock exchange where such debt securities are sought to be listed.

20. Conditions for listing of debt securities issued on private placement basis.—(1) An issuer may list its debt securities issued on private placement basis on a recognized stock exchange subject to the following conditions :

- (a) the issuer has issued such debt securities in compliance with the provisions of the Companies Act, 1956, rules prescribed thereunder and other applicable laws;
- (b) credit rating has been obtained in respect of such debt securities from at least one credit rating agency registered with the Board;
- (c) the debt securities proposed to be listed are in dematerialized form ;
- (d) the disclosures as provided in regulation 21 have been made.

(2) The issuer shall comply with conditions of listing of such debt securities as specified in the Listing Agreement with the stock exchange where such debt securities are sought to be listed.

21. Disclosures in respect of Private Placements of Debt Securities (1).—The issuer making a private placement of debt securities and seeking listing thereof on a recognized stock exchange shall make disclosures as specified in Schedule I of these regulations accompanied by the latest Annual Report of the issuer.

(2) The disclosures as provided in sub-regulation (1) shall be made on the web sites of stock exchanges where such securities are proposed to be listed and shall be available for download in PDF / HTML formats.

22. Relaxation of strict enforcement of rule 19 of Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (7) of rule 19 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, the Board hereby relaxes the strict enforcement of :—

- (a) sub-rules (1) and (3) of rule 19 the said rules in relation to listing of debt securities issued by way of a public issue or a private placement;
- (b) clause (b) of sub-rule (2) of rule 19 of the said Rules in relation to listing of debt securities,
 - (i) issued by way of a private placement by any issuer;
 - (ii) issued to public by an infrastructure company, a Government company, a statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up by any of them, which is engaged in infrastructure sector.

Explanation : For the purposes of this regulation the terms 'infrastructure company' and 'infrastructure sector' shall have the same meaning as assigned to them under the SEBI (Disclosure and Investor Protection) Guidelines, 2000 or any successor thereof.

CHAPTER IV

CONDITIONS FOR CONTINUOUS LISTING AND TRADING OF DEBT SECURITIES

23. Continuous Listing Conditions.—(1) All the issuers making public issues of debt securities or seeking listing of debt securities issued on private placement basis shall comply with the conditions of listing specified in the respective listing agreement for debt securities.

(2) Every rating obtained by an issuer shall be periodically reviewed by the registered credit rating agency and any revision in the rating shall be promptly disclosed by the issuer to the stock exchange(s) where the debt securities are listed.

(3) Any change in rating shall be promptly disseminated to investors and prospective investors in such manner as the stock exchange where such securities are listed may determine from time to time.

(4) The issuer, the respective debenture trustees and stock exchanges shall disseminate all information and reports on debt securities including compliance reports filed by the issuers and the debenture trustees regarding the debt securities to the investors and the general public by placing them on their websites.

(5) Debenture trustee shall disclose the information to the investors and the general public by issuing a press release in any of the following events:

- (a) default by issuer to pay interest on debt securities or redemption amount;
- (b) failure to create a charge on the assets;
- (c) revision of rating assigned to the debt securities.

(6) The information referred to in sub-regulation (5) shall also be placed on the websites, if any, of the debenture trustee, the issuer and the stock exchanges.

24. Trading of Debt securities.—(1) The debt securities issued to the public or on a private placement basis, which are listed in recognized stock exchanges, shall be traded and such trades shall be cleared and settled in recognized stock exchanges subject to conditions specified by the Board.

(2) In case of trades of debt securities which have been made over the counter, such trades shall be reported on a recognized stock exchange having a nation wide trading terminal or such other platform as may be specified by the Board.

(3) The Board may specify conditions for reporting of trades on the recognized stock exchange or other platform referred to in sub-regulation (2).

CHAPTER V

OBLIGATIONS OF INTERMEDIARIES AND ISSUERS

25. Obligations of Debenture Trustee.—(1) The debenture trustee shall be vested with the requisite powers for protecting the interest of holders of debt securities including a right to appoint a nominee director on the Board of the issuer in consultation with institutional holders of such securities.

(2) The debenture trustee shall carry out its duties and perform its functions under these regulations, the Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) Regulations, 1993, the trust deed and offer document, with due care, diligence and loyalty.

(3) The debenture trustee shall ensure disclosure of all material events on an ongoing basis.

(4) The debenture trustees shall supervise the implementation of the conditions regarding creation of security for the debt securities and debenture redemption reserve.

26. Obligations of the Issuer, Lead Merchant Banker, etc.—(1) The issuer shall disclose all the material facts in the offer documents issued or distributed to the public and shall ensure that all the disclosures made in the offer document are true, fair and adequate and there is no mis-leading or untrue statements or mis-statement in the offer document.

(2) The Merchant Banker shall verify and confirm that the disclosures made in the offer documents are true, fair and adequate and ensure that the issuer is in compliance with these regulations as well as all transaction specific disclosures required in Schedule I of these regulations and Schedule II of the Companies Act, 1956.

(3) The issuer shall treat the applicants in a public issue of debt securities in a fair and equitable manner as per the procedures as may be specified by the Board.

(4) The intermediaries shall be responsible for the due diligence in respect of assignments undertaken by them in respect of issue, offer and distribution of securities to the public.

(5) No person shall employ any device, scheme or artifice to defraud in connection with issue or subscription or distribution of debt securities which are listed or proposed to be listed on a recognized stock exchange.

(6) The issuer and the merchant banker shall ensure that the security created to secure the debt securities is adequate to ensure 100% asset cover for the debt securities.

CHAPTER VI

PROCEDURE FOR ACTION IN CASE OF VIOLATION OF REGULATIONS

27. Inspection by the Board.—(1) Without prejudice to the provisions of sections 11 and 11C of the Act and of

Section 209A of the Companies Act, the Board may *suo-motu* or upon information received by it, appoint one or more persons to undertake the inspection of the books of account, records and documents of the issuer or merchant banker or any other intermediary associated with the public issue, disclosure or listing of debt securities, as governed under these regulations, for any of the purposes specified in sub-regulation (2).

(2) The purposes referred to in sub-regulation (1) may be as follows, namely :—

- (a) to verify whether the provisions of the Act, Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, Depositories Act, 1996, the rules and regulations made thereunder in respect of issue of securities have been complied with;
- (b) to verify whether the requirement in respect of issue of securities as specified in these regulations has been complied with;
- (c) to verify whether the requirements of listing conditions and continuous disclosure requirement have been complied with;
- (d) to inquire into the complaints received from investors, other market participants or any other persons on any matter of issue and transfer of securities governed under these regulations;
- (e) to inquire into affairs of the issuer in the interest of investor protection or the integrity of the market governed under these regulations;
- (f) to inquire whether any direction issued by the Board has been complied with.

(3) While undertaking an inspection under these regulations, the inspecting authority or the Board, as the case may be, shall follow the procedure specified by the Board for inspection of the intermediaries.

28. Directions by the Board.—Without prejudice to the action under section 11, 11A, 11B, 11D, sub-section (3) of section 12, Chapter VIA and section 24 of the Act or section 621 of the Companies Act, 1956, the Board may *suo-motu* or on receipt of information or on completion or pendency of inspection or investigation, in the interests of the securities market, issue or pass such directions as it deems fit including any or all of the following —

- (a) directing the issuer to refund of the application monies to the applicants in a public issue;
- (b) directing the persons concerned not to further deal in securities in any particular manner;
- (c) directing the persons concerned not to access the securities market for a particular period;
- (d) restraining the issuer or its promoters or directors from making further issues of securities;

- (e) directing the person concerned to sell or divest the securities;
- (f) directing the issuer or the depository not to give effect transfer or directing further freeze of transfer of securities;
- (g) any other direction which Board may deem fit and proper in the circumstances of the case:

Provided that the Board shall, either before or after issuing such directions, give an opportunity of being heard to the persons against whom the directions are issued or proposed to be issued:

Provided further that if any ex-parte direction is required to be issued, the Board may give post decisional hearing to affected person.

29. Appeal.—Any person aggrieved by an order of the Board or Adjudicating Officer under the Act or these regulations, may prefer an appeal to the Securities Appellate Tribunal in accordance with section 15T of the Act read with the Securities Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 2000.

CHAPTER VII MISCELLANEOUS

30. Delegation.—The powers exercisable by the Board under these regulations shall also be exercisable by any officer of the Board to whom such powers are delegated by the Board.

31. Power of the Board to issue general order or circular (1).—The Board may by a general or special order or circular specify any conditions or requirement in respect of issue of debt securities.

(2) In particular, and without prejudice to the generality of the foregoing power and provisions of these regulations, such orders or circulars may provide for all or any of the following matters, namely:

- (a) Electronic issuances and other issue procedures including the procedure for price discovery ;
- (b) Conditions governing trading , reporting, clearing and settlement of trade in debt securities;
- (c) Listing conditions.

(3) If any special order is proposed to be issued to any particular issuer or intermediary on a specific issue, no such order shall be issued unless an opportunity to represent is given to the person affected by such order.

32. Power to remove difficulty (1).—In order to remove any difficulties in the application or interpretation of these regulations, the Board may issue clarifications or grant relaxations from application requirement or conditions of these regulations, after recording reasons therefore.

2165 95108-5

(2) The Board may, on an application made by any issuer, relax any of the procedural requirements or conditions or strict enforcement of these regulations, if the Board is satisfied that:

- (a) requirement is procedural or technical in nature; or
- (b) requirement causes undue hardship to a particular class of industry or issuers from accessing the securities market; or
- (c) relaxation is in the interest of substantial number of investors; or
- (d) such relaxation will be in the interest of securities market.

33. Repeal and Savings (1).—On and from the commencement of these regulations, the provisions of Securities and Exchange Board of India (Disclosure and Investor Protection) Guidelines, 2000 in so far as they relate to issue and listing of debt securities shall stand rescinded.

(2) Notwithstanding such rescission :—

- (a) anything done or any action taken or purported to have been done or taken including observation made in respect of any draft offer document, any enquiry or investigation commenced or show cause notice issued in respect of the said guidelines shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these regulations;
- (b) any application made to the Board under the said Guidelines and pending before it shall be deemed to have been made under the corresponding provisions of these regulations.

SCHEDULE I

[See Regulation 5 (2) (b)]

DISCLOSURES

1. The issuer seeking listing of its debt securities on a recognized stock exchange shall forward the listing application to the stock exchange along with the following documents—

- (a) Memorandum and Articles of Association and a copy of the Trust Deed.
- (b) Copy of latest audited balance sheet and Annual Report.
- (c) Statement containing particulars of dates of, and parties to all material contracts and agreements:

Provided that a recognized stock exchange may call for such further particulars or documents as it deems proper.

2. The following disclosures shall be made where relevant :—

- i. Name and address of the registered office of the issuer.
- ii. Names and addresses of the directors of the issuer.
- iii. A brief summary of the business/activities of the issuer and its line of business.
- iv. And a brief history of the issuer since its incorporation giving details of its activities including any reorganization, reconstruction or amalgamation, changes in its capital structure, (authorized, issued and subscribed) and borrowings, if any.
- v. Details of debt securities issued and sought to be listed including face value, nature of debt securities mode of issue i.e. public issue or private placement.
- vi. Issue size .
- vii. Details of utilization of the issue proceeds.
- viii. A statement containing particulars of the dates of, and parties to all material contracts, agreements involving financial obligations of the issuer.
- ix. Details of other borrowings including any other issue of debt securities in past;
- x. Any material event/development or change at the time of issue or subsequent to the issue which may affect the issue or the investor's decision to invest/continue to invest in the debt securities.
- xi. Particulars of the debt securities issued (i) for consideration other than cash, whether in whole or part, (ii) at a premium or discount, or (iii) in pursuance of an option.
- xii. A list of highest ten holders of each class or kind of securities of the issuer as on the date of application along with particulars as to number of shares or debt securities held by them and the address of each such holder.
- xiii. An undertaking that the issuer shall use a common form of transfer.
- xiv. Redemption amount, period of maturity, yield on redemption.
- xv. Information relating to the terms of offer or purchase.
- xvi. The discount at which such offer is made and the effective price for the investor as a result of such discount.
- xvii. The debt equity ratio prior to and after issue of the debt security.

- xviii. Servicing behavior on existing debt securities, payment of due interest on due dates on term loans and debt securities.
- xix. That the permission/consent from the prior creditor for a second or pari passu charge being created in favor of the trustees to the proposed issue has been obtained.
- xx. The names of the debenture trustee(s) shall be mentioned with a statement to the effect that debenture trustee(s) has given his consent to the issuer for his appointment under regulation 4 (4) and also in all the subsequent periodical communications sent to the holders of debt securities.
- xxi. The rating rationale(s) adopted by the rating agencies shall be disclosed.
- xxii. Names of all the recognised stock exchanges where securities are proposed to be listed clearly indicating the designated stock exchange and also whether in principle approval from the recognised stock exchange has been obtained.
- xxiii. A summary term sheet shall be provided which shall include brief information pertaining to the Secured/Unsecured Non-Convertible debt securities (or a series thereof) as follows (where relevant):
 - * Issuer
 - * Minimum Subscription of Debt securities and in multiples of ___ Debt securities thereafter
 - * Tenor ___ Months from the Deemed Date of Allotment
 - * Coupon Rate / Coupon Date ___ % p.a. (payable ___) on ___ each year
 - * Redemption Date
 - * Put / Call option _____
 - * Proposed listing of the debt securities with ___ Stock Exchange
 - * Issuance Physical /Demat mode
 - * Trading Demat mode only
 - * Depository _____
 - * Security
 - * Rating ___ by ___ (All the credit rating/s, including any unaccepted credit ratings, shall be disclosed in the draft offer document to be filed with SEBI)
 - * Settlement by way of [Insert details of payment procedure]

* Issue Schedule:

— Issue opens on _____

— Issue closes on _____

* Pay-in date _____

* Deemed date of allotment _____

SCHEDULE II

[See regulation 6(7)]

FORMAT FOR DUE DILIGENCE CERTIFICATE AT THE TIME OF FILING THE OFFER DOCUMENT WITH REGISTRAR OF COMPANIES AND PRIOR TO OPENING OF THE ISSUE

To

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

Dear Sir / Madam,

Sub : ISSUE OF _____ BY _____ LTD.

1. We confirm that neither the issuer nor its promoters or directors have been prohibited from accessing the capital market under any order or direction passed by the Board. We also confirm that none of the intermediaries named in the offer document have been debarred from functioning by any regulatory authority.

2. We confirm that all the material disclosures in respect of the issuer have been made in the offer document and certify that any material development in the issue or relating to the issue up to the commencement of listing and trading of the shares offered through this issue shall be informed through public notices/advertisements in all those newspapers in which pre-issue advertisement and advertisement for opening or closure of the issue have been given.

3. We confirm that the offer document contains all disclosures as specified in the Securities and Exchange Board of India (Issue and Listing of Debt Securities) Regulations, 2008.

4. We also confirm that all relevant provisions of the Companies Act, 1956, Securities Contracts, (Regulation) Act, 1956, Securities and Exchange Board of India Act, 1992 and the Rules, Regulations, Guidelines, Circulars issued thereunder are complied with.

We confirm that all comments/complaints received on the draft offer document filed on the website of _____ (designated stock exchange) have been suitably addressed.

PLACE

DATE:

LEAD MERCHANT BANKER (S)

SCHEDULE III*[See regulation 6(8)]***FORMAT OF DUE DILIGENCE CERTIFICATE TO
BE GIVEN BY THE DEBENTURE
TRUSTEE BEFORE OPENING OF THE ISSUE**

To

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

Dear Sir / Madam,

Sub : ISSUE OF _____ BY _____ LTD.

We, the Debenture Trustee(s) to the above-mentioned forthcoming issue state as follows:

(1) We have examined documents pertaining to the said issue and other such relevant documents.

(2) On the basis of such examination and of the discussions with the issuer, its directors and other officers, other agencies and of independent verification of the various relevant documents,

WE CONFIRM that:

- (a) The issuer has made adequate provisions for and/or has taken steps to provide for adequate security for the debt securities to be issued.
- (b) The issuer has obtained the permissions / consents necessary for creating security on the said property(ies).
- (c) The issuer has made all the relevant disclosures about the security and also its continued obligations towards the holders of debt securities.
- (d) All disclosures made in the offer document with respect to the debt securities are true, fair and adequate to enable the investors to make a well informed decision as to the investment in the proposed issue.

We have satisfied ourselves about the ability of the issuer to service the debt securities.

PLACE:

DATE:

**DEBENTURE TRUSTEE TO THE ISSUE
WITH HIS SEAL**

SCHEDULE IV*[See regulation 8(1)]***FORMAT OF ISSUE ADVERTISEMENTS FOR
PUBLIC ISSUES**

This is an advertisement for information purposes

_____ LIMITED

(Incorporated on _____ under the
Companies Act as _____ and

subsequently renamed _____ on _____)

Registered Office: _____

Tel: _____ Fax _____

Corporate Office: _____

Tel: _____ Fax _____

e-mail: _____

Website: _____

THE ISSUE

Public issue of _____ debt securities of Rs. _____
each at a price of Rs. _____

(Summary Details of Coupon, Redemption, etc. shall be
disclosed)

PROMOTERS

X X X X

PROPOSED LISTING

Names of Stock Exchanges

MERCHANT BANKERS

(Names)

COMPLIANCE OFFICER OF THE ISSUER

Name, address, telephone and fax numbers, email ID,
website address

CREDIT RATING

(The Rating Obtained shall be disclosed prominently
along with the meaning of the same)

DEBENTURE TRUSTEES

(Names)

AVAILABILITY OF APPLICATION FORMS

Names of Issuer, Lead Managers, etc. (Addresses
optional)

AVAILABILITY OF OFFER DOCUMENT

Investors are advised to refer to the offer document, and
the risk factors contained therein, before applying in the
issue. Full copy of the offer document is available on
websites of issuer / lead manager(s) / Stock Exchange(s)
on www. _____

ISSUE OPENS ON:

ISSUE CLOSES ON:

Issued by
Directors of Issuer

C.B. BHAVE, Chairman

[ADVT III/4/69 ZB/2008/ Ety.]